Today's Poem – 12.05.2014

इस दुःखधाम को जीते जी तलाक देना है

क्यूंकि हमें अब सुखधाम जाना है

बाबा कहते - बच्चे, काम महाशत्रु है, इस पर विजय प्राप्त करनी है

यही बस थोड़ी सी मेहनत करनी है

जब हम सम्पूर्ण पावन बन जाएँगे

तब बाबा हमें नयनों में बिठाकर साथ ले जाएँगे

हम बेहद बाप के बच्चे हैं, हमारा यह ईश्वरीय परिवार है - इस स्मृति में रहना है

माया को वश करने का जो मन्त्र मिला है, उसको याद रखते सतोप्रधान बनना है

शुभचिन्तन द्वारा निगेटिव को पॉजिटिव में परिवर्तन करो

ज्ञान रत्नों से, गुणों और शक्तियों से खेलते रहो

मेरा बाबा !!

ॐ शान्ति !!!